updated

Bhagat Phool Singh Mahila Vihwavidyalaya, Khanpur Kalan
List of Courses of Hindi For 4-Year Undergraduate Programme (MULTIDISCIPLINARY) W.E.F. 2025-26

Semester	Course Type	Course Code	Nomenclature of Paper	Contact Hours L	Contact Hours T	Contact Hours P	Credit	Internal Marks	External Marks	Total Marks	Exam Hours
First	DSC-1	B-HIN-DSC-101	मध्यकालीन हिंदी काव्य-I	3	1	0	4	30	70	100	3
	MIC-1	B-HIN-MIC-102	हिंदी गद्य (नाटक)-I	2	0	0	2	15	35	50	1.5
	MDC-1	B-HIN-MDC-103	हिंदी गद्य (कहानी)-I	2	1	0	3	25	50	75	2
	*AEC-1	B-AEC-102	हिंदी-I	2	1	0	2	15	35	50	1.5
Second	DSC-2	B-HIN-DSC-201	हिंदी गद्य-II	3	1	0	4	30	70	100	3
	MIC-2	B-HIN-MI-202	हिंदी गद्य विधाएं-II	2	0	0	2	15	35	50	1.5
	MDC-2	B-HIN-MDC-203	हिंदी काव्य -II	2	1	0	3	25	50	75	2
	*AEC-1	B-AEC-102	हिंदी-I	2	0	0	2	15	35	50	1.5

*The students may study AEC-I in one semester only.

5/8/25

03/08/25

updated

Bhagat Phool Singh Mahila Vihwavidyalaya, Khanpur Kalan

List of Courses of Hindi For 4-Year Undergraduate Programme

(MULTIDISCIPLINARY) W.E.F. 2025-26

Semester	Course Type	Course Code	Nomenclature of Paper	Contact Hours			Credit	Internal Marks	External Marks	Total Marks	Exam Hours
				L	T	P					
Third	DSC-3	B-HIN-DSC-301	छायावादीकाव्य	3	1	0	4	30	70	100	3
	MIC-3	B-HIN-MIC-302	हिंदी भाषा और सम्प्रेषण	3	1	0	4	30	70	100	3
	MDC-3	B-HIN-MDC-303	हिंदी नाटक साहित्य	3	1	0	3	25	50	75	2
	AEC-2	B-AEC-303	हिंदी-II	2	0	0	2	15	35	50	1.5
Fourth	DSC-4	B-HIN-DSC-401	समकालीन गद्य- साहित्य		1	0	4	30	70	100	3
	MIC-4	B-HIN-MIC-402	समकालीन - कविता	3	1	0	4	30	70	100	3
	AEC-3	B-AEC-403	हिंदी-III	2	0	0	2	15	35	50	1.5

5/8/25

05/08/25

Bhagat Phool Singh Mahila Vihwavidyalaya, Khanpur Kalan

List of Courses of Hindi For 4-Year Undergraduate Programme

(MULTIDISCIPLINARY) W.E.F. 2025-26

Semester	Course Type	Course Code	Nomenclature of Paper	Contact Hours			Credit	Internal Marks	External Marks	Total Marks	Exam Hours
				L	T	P					
Fifth	DSC-5	B-HIN-DSC-501	समकालीन हिंदी -कविता	3	1	0	4	30	70	100	3
	MIC-5	B-HIN-MIC-502	सृजनात्मकलेखन	3	1	0	4	30	70	100	3
Sixth	DSC-6	B-HIN-DSC-601	लोक -साहित्य	3	1	0	4	30	70	100	3
	MIC (Voc)-6	B-HIN-MIC-602	हिंदी- पत्रकारिता	3	1	0	4	30	70	100	3

Bhagat Phool Singh Mahila Vihwavidyalaya, Khanpur Kalan

List of Courses and Scheme of Hindi For 4-Year Undergraduate Programme

(MULTIDISCIPLINARY) W.E.F. 2025-26

Semester	Course Type	Course Code	Nomenclature of Paper	Contact Hours			Credit	Internal Marks	External Marks	Total Marks	Exam Hours
				L	T	P					
Seventh	DSC-7	B-HIN-DSC-701	कामायनी (चयनित अंश)	3	1	0	4	30	70	100	3
	DSC	B-HIN-DSC-702	हिंदीनाटक - साहित्य	3	1	0	4	30	70	100	3
	DSC	B-HIN-DSC-703	हिंदीउपन्यास-साहित्य	3	1	0	4	30	70	100	3
	DSC	B-HIN-DSC-704	भाषा - विज्ञान	3	1	0	4	30	70	100	3
	DSC	B-HIN-DSC-705	साहित्यिक - निबन्ध	3	1	0	4	30	70	100	3
	MIC-7	B-HIN-MIC-706	हिंदीआलोचना	3	1	0	4	30	70	100	3
Eighth	DSC-8	B-HIN-DSC-801	भारतीय काव्यशास्त्र	3	1	0	4	30	70	100	3
	DSC	B-HIN-DSC-802	कालजयी कहानियाँ	3	1	0	4	30	70	100	3
	DSC	B-HIN-DSC-803	हिंदी निबन्ध साहित्य	3	1	0	4	30	70	100	3
	DSC	B-HIN-DSC-804	कबीर	3	1	0	4	30	70	100	3
	DSC	B-HIN-DSC-805	हिंदी गद्य विधाएँ	3	1	0	4	30	70	100	3
	MIC-8	B-HIN-MIC-806	समसामयिक निबन्ध	3	1	0	4	30	70	100	3

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya ,Khanpur Kalan

Syllabus of Hindi For 4-Year Undergraduate Programme (MULTIDISCIPLINARY) W.E.F. 2024-25

Semester-I

Nomenclature of the Course	हिन्दी पटकथा लेखन
Course Code-	B-HIN-SEC-201
Level of Course	100-199
Credits	Theory-2 Tutorial-1=3
Contact Hours Per Week	2+1=1
Internal Assessment: 25 Marks	Class Participation 05 Seminar /presentation /Assignment /Quiz /Class Test etc. 10 Min Term Exam:10
Term-End Examination (External):	75

पाठ्यक्रम परिणाम–

CO1. पटकथा लेखन तथा उसके तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा।

CO2. पटकथा लेखन से रोजगार की सम्भावनाएँ बनेगी।

CO3. विधार्थी के भाषायी सम्प्रेषण में सुधार करना।

CO4. विधार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा।

इकाई –1

पटकथा लेखन परिचय

पटकथा लेखन के तत्व व प्रकार

पटकथा लेखन की शब्दावली

इकाई–2

पटकथा लेखन में शोध कर महत्त्व

पटकथा लेखन में चरित्र की निर्मिति और विकास

पटकथा लेखन में एक दृश्य का लिखा जाना।

पटकथा लेखन में तीन अंक और पाँच अंक को समझना।

इकाई–3

वेबसीरीज के लिए पटकथा लेखन

लघु फिल्म के लिए पटकथा लेखन

वृतचित्र के लिए पटकथा लेखन

विज्ञापन फिल्म के लिए पटकथा लेखन

19/05/2025

19/5/25

19.5.2025

संदर्भ ग्रंथ सूची–

- पटकथा कैसे लिखें: राजेन्द्र पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2015.
- पटकथा लेखन एक परिचय मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2000.
- कथा-पटकथा मनु भण्डारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2014.
- व्यावहारिक निर्देशिका: पटकथा लेखन: असगर वजाहत, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2011.
- आईडिया से पर्दे तक, रामकुमार सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2021.

- आवश्यक निर्देश:–
- समस्त पाठ्यक्रम में से 04 लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएगें। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। (4x2=8)
- निर्धारित पाठ्यक्रम में तीन खंड है। प्रत्येक खंड में से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक है। (3x14=42)

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya ,Khanpur Kalan

Syllabus of Hindi For 4-Year Undergraduate Programme (MULTIDISCIPLINARY) W.E.F. 2024-25

Semester-II

Nomenclature of the Course	हिन्दी रंगमंच
Course Code-	B-HIN-SEC-104
Level of Course	100-199
Credits	Theory-2 Tutorial-1=3
Contact Hours Per Week	2+1=1
Internal Assessment: 25 Marks	Class Participation 05 Seminar /presentation /Assignment /Quiz /Class Test etc. 10 Min Term Exam:10
Term-End Examination (External):	75

पाठयक्रम परिणाम–

CO1. विद्यार्थी हिन्दी रंगमंच का सामान्य परिचय कर सकेगा।

CO2. नाट्य प्रस्तुत की प्रक्रिया से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा।

CO3. रंगमंच की सामान्य जानकारी से रोजगार की सम्भावनाएँ बनेगी।

CO4. रंगमंच की गतिविधियों से विद्यार्थी के व्यक्तित्व व अभिव्यक्ति का विकास होगा।

इकाई –1

भरत मुनि कृत नाट्यशास्त्र- संक्षिप्त परिचय

हिन्दी का पारंपरिक रंगमंच- संक्षिप्त परिचय

इकाई–2

प्रस्तुति - प्रक्रिया : आलेख का चयन, दृश्य परिकल्पना (ध्वनि-संगीत-नृत्य-प्रकाश), पूर्वाभाष

अभिनय की तैयारी: वाचिक, आंगिक, आहार्य और सात्विक

इकाई–3

आशु अभिनय, थिएटर, संवाद-वाचन, शारीरिक अभ्यास, सीन वर्क

मंच प्रबन्ध सेट रंग- सामग्री, प्रचार-प्रसार, ब्रोशर- निर्माण

संदर्भ ग्रंथ सूची–

- संक्षिप्त नाट्यशास्त्र- राधावल्लभ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2009.
- हिन्दी रंगमंच का लोकपक्ष, सम्पादक प्रो० रमेश गौतम, स्वराज प्रकाशन दिल्ली 2020
- मंच आलोकन जी.एन. दास गुप्ता अनुवाद-अजय मलकानी, नेशनल बुक ट्रस्ट दिल्ली, 2006.
- रंगमंच के सिद्धान्त-संपादक महेश आनंद, देवेन्द्र राज अंकुर, राजकमल प्रकाशन 2008.

आवश्यक निर्देश:–

- समस्त पाठ्यक्रम में से 04 लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएगें। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। (4x2=8)
- निर्धारित पाठ्यक्रम में तीन खंड है। प्रत्येक खंड में से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक है। (3x14=42)

Pinki Rani 19/05/2025
Seema 19/05/2025
Parveen 19/05/25
19/5/25
19/5/25
19.5.25

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya. Khanpur Kalan
Syllabus of Hindi For 4-Year Undergraduate Programme (MULTIDISCIPLINARY)
W.E.F 2024-25
Semester – 3

Nomenclature of the Course	छायावादी- काव्य Course Code – B HIN – DSC – 301
Level of the Course	100-199
Credits 04	Theory – 3 Tutorial-1 = 4
Contact Hours Per week	3+1 = 4
Suggested Evaluation Method	
Internal Assessment : 30 Marks	Class participation 05 Seminar / Presentation / Assignment / Quiz / Class Test etc – 10 Mid Team Exam – 15
Term- End Examination (External) :	70 Marks

पाठ्यक्रम परिणाम

CO1 कविता की व्याख्या और आलोचनात्मक समझ होगी।

CO2 छायावादी कविता और कवियों के विषय में जानकारी तथा साहित्यिक जानकारी होगी।

CO3 साहित्य इतिहास का ज्ञान होगा।

CO4 काव्यशास्त्र का ज्ञान होगा।

इकाई 1 आधुनिक हिंदी कविता **(**निर्धारित पाठ्यक्रम प्रधान संपादक डा सरिता विशष्ठ कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन , कुरूक्षेत्र**)**

छायावादी कवि:-

जयशंकर प्रसाद- कामायनी (आनन्द सर्ग), आँसू (आँसू संग्रह)

महादेवी वर्मा – कह दे माँ क्या अब देखूं।, कौन तुम मेरे हृदय में, दुख की बदली , वे मुस्काते फूल नहीं।

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला :- विधवा, बादलराग, जागो फिर एक बार, तोड़ती पत्थर

सुमित्रानंदन पंत :-मौन निमंत्रण, पल्लव, प्रथम रश्मि, मोह

इकाई 2

अन्य छायावादी कवियों का संक्षिप्त साहित्यिक परिचय:- सुभद्रा कुमारी चौहान, रामकुमार वर्मा, सियारामशरण गुप्त, माखनलाल चतुर्वेदी, मुकुटधर पांडेय।

Ravi Dahiya Rakhi 19.5.25 Seema 19/05/25 Pinki Rani 19/05/2025 Praveen Devi 19/05/25 19/5/25 19/5/25

इकाई 3

हिंदी साहित्य का रीतिकाल

1 रीतिकाल की प्रमुख परिस्तिथियाँ
2 रीतिकाल का नामकरण
3 रीतिबद्ध काव्य की विशेषताएँ
4 रीति सिद्ध काव्य की विशेषताएँ
5 रीति मुक्त काव्य की विशेषताएँ
6 रीतिकालीन काव्य की उपलब्धियाँ
7 रीतिइतर काव्य की प्रवृत्तियॉ

इकाई 4 काव्यांग परिचय:-

शब्द शक्ति, बिम्ब, प्रतीक, काव्य गुण

संदर्भ ग्रंथ सूची:-

- हिंदी साहित्य का इतिहास: रामचंद्रशुक्ल
- हिंदी साहित्य –हजारी प्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- रामकुमारवर्मा
- रीति काव्य की भूमिका- नगेंद्र
- काव्यशास्त्र -भागीरथ मिश्र
- काव्य सिद्धांत- ओमप्रकाश शर्मा शास्त्री
- भारतीय काव्यशास्त्र- सत्यदेव चौधरी
- कामायानी, जयशंकर प्रसाद
- ऑसू, जयशंकर प्रसाद
- छायावाद :- प्रसाद , निराला ,महादेवी और पंत - संपादन ज्ञानेंद्र कुमारसंतोष
- छायावाद और उसके कवि – नंददुलारे वाजपेयी – संपादन विजय बहादुर सिंह

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya. Khanpur Kalan

List of Courses and Scheme of Hindi For 4-Year Undergraduate Programme

(MULTIDISCIPLINARY) W.E.F 2024-25

आवश्यक निर्देश:-

1 इकाई 1 में से चार पद्यांश दिए जाएंगे, जिनमें से दो की सप्रसंग व्याख्या लिखनी होगी | कुलअंक 14 होंगे| 7x2=14

2 इकाई 1 में से कवियों से संबंधित साहित्यिक परिचय व आलोचनात्मक प्रश्नों में दो प्रश्न दिए जाएंगे, जिसमें से विद्यार्थी को एक का उत्तर देना होगा |कुलअंक 10 होंगे। 10x1=10

3 इकाई 2 में से दो प्रश्न दिए जाएंगे ,जिनमें से एक का उत्तर देना होगा | कुल अंक **पांच होंगे।** 5x1=5

4 इकाई 3 में से तीन प्रश्न दिए जाएंगे ,जिनमें से विद्यार्थी को दो के उत्तर देना होगा | प्रत्येक प्रश्न आठ अंक का होगा | कुल अंक **16** होंगे। 8x2=16

5 इकाई 4 में से **चार** प्रश्न दिए जाएंगे, जिसमें से विद्यार्थी को तीन का उत्तर देना होगा कुल अंक **15** होंगे। 5x3=15

6 समस्त पाठ्यक्रम में से सभी लघु प्रश्नों के उत्तर लिखने अनिवार्य होंगे | इसमें 10 प्रश्न दिए जाएंगे कुल अंक **10** होंगे। 10x1=10

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya, Khanpur Kalan

Syllabus of Hindi For 4-Year Undergraduate Programme (MULTIDISCIPLINARY) W.E.F 2024-25

Semester-3

Nomenclature of the Course	हिन्दी भाषा और संप्रेषण **Course Code : B-HIN-MIC-302**
Level of the Course	100-199
Credits 04	Theory-3 Tutorial-1= 4
Contact Hours per week	3 + 1 = 4
Suggested Evaluation Method	
Total Marks 100	100
Internal Assessment : 30 Marks	Class Participation05 Seminar/Presentation/Assignment/Quiz/Class Test etc. 10 Mid Term Exam :15
Term-End Exmaination (External) 70 Marks	70

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya, Khanpur Kalan

Syllabus of Hindi For 4-Year Undergraduate Programme (MULTIDISCIPLINARY) W.E.F 2024-25

Semester-3

पाठ्यक्रम परिणाम

CO1 संप्रेषण प्रक्रिया की जानकारी होगी

CO2 कविता की व्याख्या एवं आलोचनात्मक समझ होगी।

CO3 साहित्य इतिहास का ज्ञान होगा।

CO4 कवियों के विषय में जानकारी होगी।

CO5 हिंदी वर्णों के सही उच्चारण एवं उच्चारण स्थान का ज्ञान होगा।

इकाई 1 : **भाषा संप्रेषण के सिद्धांत:-**

- संप्रेषण : अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार
- वाचन : अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार
- लेखन : अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार
- वर्ण व्यवस्था : हिंदी ध्वनियों के वर्गीकरण के आधार

इकाई 2 :

हिंदी साहित्य का इतिहास :– (आदिकाल) **:-**

- आदिकाल का नामकरण एवम् काल विभाजन
- आदिकाल की परिस्थितियाँ
- आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ
- आदिकालीन रासो साहित्य
- आदिकालीन धार्मिक साहित्य

इकाई 3 :

प्रमुख आदिकाल कवियों का संक्षिप्त साहित्यिक परिचय'–

विद्यापति, चंदबरदायी, स्वयंभू, **अमीर खुसरो**

इकाई 4:– भक्तिकालीन कवि:– "हिंदी भाषा एवम् मध्यकालीन काव्य" निर्धारित पाठ्य पुस्तक (काव्य– कुंज संपा० डा राम सजन पांडेय)

- कबीर :– 1 से 51 साखियाँ (काव्य कुँज)
- जायसी :– मानसरोदक खंड, बनिजारा खंड (काव्य कुँज)
- तुलसीदास :– 1 से 4 (कवितावली), 5 से 9 बालकाण्ड, 10 से 14 अयोध्याकांड (काव्य कुँज)
- सूरदास:– 1 से 26 पद (काव्य कुँज)
- मीराबाई :– 1 से 20 पद(काव्य कुँज)

निर्धारित कवियों से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न:–

- कबीर की सामाजिक चेतना, कबीर की भाषा
- जायसी की प्रेम भावना, विरह वर्णन

Semester-3

- तुलसी की भक्ति भावना, तुलसी की समन्वय भावना
- सूरदास का वात्सल्य वर्णन, भक्ति भावना
- मीरा की विरह भावना, मीरा की भाषा

संदर्भ ग्रंथ सूचीः–

- हिंदी साहित्य का इतिहासः– आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी साहित्य का आदिकालः– हजारी प्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का इतिहासः– डॉ नगेंद्र
- हिंदी साहित्य की भूमिका– हजारी प्रसाद द्विवेदी
- कबीर ग्रंथावलीः– संपादक हजारी प्रसाद द्विवेदी
- जायसी :– आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा – डॉ. नरेश मिश्र
- हिंदी साहित्य युग और प्रवृतियाँ– डॉ.शिव कुमार, शर्मा
- भाषा विज्ञान और मानक हिंदीः– डा नरेश मिश्र
- भाषा विज्ञान, डॉ. भोलानाथ तिवारी
- "हिंदी भाषा एवम् मध्यकालीन काव्य" निर्धारित पाठ्य पुस्तक (काव्य– कुंज संपा० डा राम सजन पांडेय)
- https://www.adda247.com
- https://www.dspmuranchi.ac.in
- https://www.nios.ac.in

आवश्यक निर्देशः–

1 इकाई 1 में से चार प्रश्न दिए जाएंगे, जिसमें से विद्यार्थी को तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे कुल अंक पंद्रह होंगे। (5 x3 = 15)

2 इकाई 2 में से तीन प्रश्न दिए जाएंगे, जिनमें से दो के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न आठ अंक का होगा। कुल अंक सोलह होंगे। (8x2 =16)

3 इकाई 3 में से दो प्रश्न दिए जांगे, जिसमें से एक का उत्तर देना होगा। कुल अंक पांच होंगें। (2.5 x2 =5)

4 इकाई 4 में से चार पद्यांश दिए जाएंगे, जिसमें से दो की सप्रसंग व्याख्या लिखनी होगी। कुल अंक चौदह होंगे। (7x2 = 14)

5 इकाई 4 में से कवियों से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न दिए जाएंगे, जिसमें से विद्यार्थी को एक का उत्तर देना होगा। कुल अंक दस होंगे। (10 x1 =10)

6. समस्त पाठ्यक्रम में से सभी लघु प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य होंगे। दस प्रश्न दिए जाएँगे। कुल अंक दस होंगे।

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya, Khanpur Kalan

Syllabus of Hindi For 4-Year Undergraduate Programme (MULTIDISCIPLINARY) W.E.F 2024-25

Nomenclature of the Course	हिंदी नाटक साहित्य Course Code-B-HIN-MDC303
Level of the Course	100-199
Credits 03	Theory-3 Tutorial-1 =4
Contact Hours	3+1=4
Suggested Evaluation Method	
Total Marks 75	75
Internal Assessment : 25 Marks	Class Participation 05 Seminar/Presentation/Assignment/Quiz/Class Test etc. 07 Mid Term Exam : 13
Term-End Exmaination (External) 50 Marks	50

पाठ्यक्रम परिणाम

CO1 नाटक के तत्त्वों का ज्ञान होगा।

CO2 नाटक की व्याख्यात्मक और आलोचनात्मक जानकारी होगी।

CO3 भाषा एवं व्याकरण का जागृत होगी और उसकी संरचनात्मकता का ज्ञान होगा।

CO4 नाटक लेखन में अभिरूचि होगी।

इकाई 1

नाटक

कबीरा खड़ा बाजार में : भीष्म साहनी

व्याख्या और प्रश्न :

- भीष्म साहनी की नाट्यकला
- नाटक की तात्विक समीक्षा
- नाटक का उद्देश्य
- नाटक में वर्णित समस्याएँ

इकाई 2

निर्धारित नाटक अंधेर नगरी (भारतेन्दु हरिश्चंद्र) के पात्रों का चरित्र-चित्रण एवं मूल संवेदना ।

इकाई 3 व्याकरण

संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, संधि, समास

सहायक ग्रंथ सूची

- कबीरा खड़ा बाजार में, भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

19/5/25 19/5/25 Seema 19/05/025 Pinki Rani 19/05/2025 Rakhi 19.5.25 19/05/25

- भारतेन्दु हरिश्चंद्र, अंधेर नगरी, प्रभात प्रकाशन
- रघुवंश, नाट्यकला
- जगदीश चतुर्वेदी, भारतीय नाटक और रंगमंच, केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली, संस्करण 1990
- रंग परंपरा : भारतीय नाट्य में निरंतरता और बदलाव, नेमिचंद्र जैन वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996
- बच्चन सिंह, हिंदी नाटक, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2001
- भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा, डॉ. नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली
- मानक हिंदी व्याकरण, डॉ. हरदेव बाहरी
- www.encyclopedia.centre.com
- www.wikipedia.com
- www.culturepedia.com
- www.archive.org(hindishabdsagar)

आवश्यक निर्देशः

1. निर्धारित नाटक में से चार गद्यांश दिए जाएंगे जिनमें से दो गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। कुल अंक 14 होंगे। (7x2 = 14)
2. निर्धारित नाटक पर आधारित दीर्घ आलोचनात्मक दो प्रश्न पूछे जाएंगे. जिसमें से एक का उत्तर देना होगा। कुल अंक 12 होंगे। (6x2 = 12)
3. निर्धारित नाटक में से चार लघु प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से दो के उत्तर देने होंगे। कुल अंक 6 होंगे। (3x2 = 6)
4. इकाई 4 में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से दो के उत्तर देने होंगे। कुल अंक 8 होंगे। (4x2 = 8)
5. समस्त पाठ्यक्रम में से 10 प्रश्न वैकल्पिक पूछे जाएंगे कुल अंक 10 होंगे। (10x1 = 10)

19/5/25

Seema 19/05/025

19.5.25

Pinki Rani 19/05/2025

19/5/25

Parveen Devi 19/05/25

Ravi Dahiya

Bhagat PhoolSinghMahilaVishwavidyalaya,KhanpurKalan

List of Courses of Hindi For 4-Year Undergraduate Programme (MULTIDISCIPLINARY) W.E.F 2024-25

Semester-3

Nomenclature of the Course	कार्यालयी हिन्दी
CourseCode	**B-SEC-304**
Level of the Course	100-199
Credits 04	Theory-2Practical-2=4
Contact Hours per week	02+02=04
Suggested Evaluation Method	
TotalMarks 75	75
Internal Assessment Theory: 15 Marks Internal Assessment Practical 05 Marks	Class Participation 05, Mid Term Exam : 05 Seminar/Presentation/Assignment/Quiz/ClassTestetc.05 Viva :05
Term-End Examination External Theory 35Marks Practical 20 Marks Internal Assessment Theory: 15 Marks Practical 05 Marks	75

अपेक्षित पाठ्यक्रम परिणाम

Co1. कार्यालयी हिन्दी से भाषा के मानक रूप को उद्घाटित करना होगा।

Co2. विद्यार्थियों को कार्यालयी हिन्दी में पत्र लेखन के ज्ञान से अवगत करवाना ।

Co3. कार्यालयी हिन्दी की सामान्य जानकारी से रोजगार एंव व्यवसाय की सम्भावनाओ का बोध करवाना ।

Co4. कार्यालयी हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली से अवगत करवाना ।

इकाई–1

कार्यालयी– हिन्दी – अभिप्राय स्वरूप तथा उद्देश्य

कार्यालयी हिन्दी– प्रयोग एवं क्षेत्र

कार्यालयी और सामान्य हिन्दी में:- साम्य और वैषम्य

अर्द्ध सरकारी तथा सार्वजनिक– सरकारी उपक्रमों में हिन्दी

इकाई –2

कार्यालयी हिन्दी–प्रकार स्वरूप एवं प्रकार

प्रशासनिक पत्र – परिपत्र, ज्ञापन, प्रेस विज्ञप्ति, अधिसूचना, संक्षेपण, पल्लवन, प्रारूपण लेखन, टिप्पणी

इकाई–3
कार्यालयी हिन्दी : पारिभाषिक शब्दावली – 60 (शब्दावली संलग्न)

पारिभाषिक शब्दावली सूची

1. Account	लेखा
2. Accountant	लेखाकार
3. Administration	प्रशासन
4. Advance	अग्रिम
5. Agenda	कार्यसूची
6. Approval	अनुमोदक
7. Assistant	सहायक
8. Auditor	लेखापरीक्षक
9. Attest	सत्यापित
10.Allotment	आवंटन
11.Bill	विधेयक
12.Corrigendum	शुद्धिपत्र
13. Counter Signature	प्रतिहस्ताक्षर
14.Circular	परिपत्र
15.Citations	उद्धरण
16.Deputation	प्रतिनियुक्ति
17. Director	निदेशक
18.Dismiss	पदच्युत
19.Employee	कर्मचारी
20.Employer	नियोक्ता
21.Enclosure	संलग्नक
22.Enquiry	जाँच
23.Extend	बढ़ाना
24.Fund	निधि
25. Faculty	संकाय
26.Fair Price	उचित मूल्य
27.Grant	सहायता
28.Government	सरकार
29.Honorarium	मानदेय
30.Honorary	अवैतनिक
31.High Commission	उच्चायोग
32.Initial	प्रारम्भिक
33.Identity	पहचान

34.Installment	किशत
35.Invoice	बीजक
36.Lease	पट्टा
37.Leave	छुट्टी / अवकाश
38.Manifesto	घोषणा –पत्र
39.Notice	सूचना
40.Noting	टिप्पणी
41.Notification	अधिसूचना
42.Original	मौलिक
43.Office	कार्यालय
44.Ordinance	अध्यादेश
45.Procedure	कार्यविधि
46.Promotion	पदोन्नति
47.Qualification	योग्यता
48.Rank	श्रेणी
49.Receipt	पावती
50.Registration	पंजीकरण
51.Reminder	अनुस्मारक
52.Revenue	राजस्व
53.Section	अनुभाग
54.Seniority	वरिष्ठता
55.Terminate	कार्यमुक्त
56.Tender	निविदा
57.Verification	सत्यापन
58.Verified Copy	सत्यापन प्रति
59.Waiting List	प्रतीक्षा सूची
60.Zonal Office	क्षेत्रीय कार्यालय

<u>सन्दर्भ पुस्तकें</u>

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी, दंगल झाल्टे
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी, माधव सोनटक्के
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका – कैलाशनाथ पाण्डेय
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी के आधुनिक आयाम – महेन्द्र सिंह राणा
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी– डॉ0 नरेश मिश्र
6. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी– कृष्ण कुमार गोस्वामी

प्रश्न–पत्र निर्माण के लिए निर्देश :–

1 समस्त पाठ्यक्रम में से 05 लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएगें। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। (5x1=5अंक)

2 निर्धारित पाठ्यक्रम में तीन खंड है। प्रत्येक खंड में से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक है। (3x10=30 अंक)

3 पारिभाषिक शब्दावली हिन्दी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिन्दी में पूछे जा सकते है।

4 20 नंबर की व्यवहारिक/ आतंरिक परीक्षा होगी पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित होगी ।

19/5/25

19/5/25

19.5.25

19/05/025

19/05/25

19/05/202

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya, Khanpur Kalan

Syllabus of Hindi For 4-Year Undergraduate Programme (MULTIDISCIPLINARY) W.E.F. 2024-25

Semester- IV

Nomenclature of the Course	समकालीन गद्य साहित्य
Course Code -	BHIN-DSC-401
Level of the Course	100-199
Credits	Theory - 3 Tutorial – 1=4
Contact Hours	3+1=4
Total Marks: 100	100
Internal Assesment: 30 Marks	Class Participation 05 Seminar/Presentation/Assignment/Quizz/Class Test etc. 10 Mid Term Exam: 15
Term-End Examination. (External): Marks	70

पाठ्यक्रम परिणाम

CO 1. समकालीन साहित्य की विभिन्न गद्य विधाओं का ज्ञान प्राप्त होगा।

CO 2. समकालीन साहित्य की समझ विकसित होगी।

CO 3. समकालीन साहित्य के प्रमुख रचनाकारों की जानकारी प्राप्त होगी।

इकाई – 1

समकालीन गद्य **विधाएँ** (सप्रसंग व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न उत्तर)

1. एक और जिंदगी (कहानी)- मोहन राकेश
2. रूपहला धुआं (यात्रावृत्त)- विद्यानिवास मिश्र
3. बयालीस के ज्वार की लहरों में (संस्मरण) -कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर
4. जान से प्यारे (एकांकी) -ममता कालिया
5. कुरुक्षेत्र में सूर्य ग्रहण मेला (रिपोर्ताज)- जय भगवान गोयल
6. मलयज की डायरी (डायरी)- मलयज
7. भू माफिया (कहानी)- अशोक कुमार गर्ग

इकाई – 2

प्रमुख समकालीन रचनाकारों का साहित्यिक परिचय

मन्नू भंडारी, कमलेश्वर, निर्मल वर्मा, चित्रा मुद्‌गिल, भगवानदास मोरवाल

इकाई – 3

हिंदी साहित्य का आधुनिक काल: गद्‌य साहित्य

1. भारतेंदु युगीन गद्‌य की प्रवृत्तियॉं
2. द्विवेदी युगीन गद्‌य की प्रवृत्तियॉं
3. छायावादी की गद्‌य प्रवृत्तियॉं
4. प्रगतिवादी गद्‌य की प्रवृत्तियॉं

5. प्रयोगवादी गद्य की प्रवृत्तियाँ
6. आधुनिक हिंदी गद्य की प्रवृतियां

इकाई – 4 पत्र लेखन

पत्र लेखन–परिभाषा, स्वरूप, प्रकार एवं प्रारूप, प्रार्थना पत्र, आवेदन पत्र, नियुक्ति पत्र, मांग पत्र, सरकारी पत्र–परिपत्र, अनुस्मारक, प्रेस विज्ञप्ति, कार्यालय आदेश।

दिशा निर्देश :–

1. प्रश्न पत्र के लिए कुल 70 अंक हैं । प्रश्न पत्र हल करने का समय 3 घंटे होगा ।
2. प्रथम प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित होगा । जिसमें पांच अति लघु उत्तर वाले विकल्प रहित प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा । यह प्रश्न अनिवार्य होगा । (5x2=10)
3. गद्य विधाओं में से चार व्याख्या पूछी जाएंगी, जिनमें से दो व्याख्या करनी होंगी जो 7+7 अंक कुल 14 अंक की होंगी ।
4. सभी गद्य विधाओं में से 3 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न 8 नंबर का होगा । इस प्रकार कुल 16 नंबर के आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे ।(8x8=16)
5. प्रमुख समकालीन रचनाकार संबंधी 2 प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा जो आठ अंकों का होगा । (4x1=4)
6. हिंदी साहित्य के आधुनिक काल से संबंधित तीन प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से दो प्रश्न करने अनिवार्य होंगे और प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा । इस प्रकार यह इकाई 16 अंकों की होगी । (8x2=16)
7. इकाई चार पत्र लेखन में से दो प्रश्न आएंगे जिसमें से एक करना अनिवार्य होगा जो 10 अंकों का होगा । (10x1=10)

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

1. हिंदी साहित्य का इतिहास, रामचंद्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, संस्करण 2011
2. हिंदी साहित्य का इतिहास, संपादक डॉ नगेंद्र व डॉ हरदयाल, मयूर पेपर बैक्स
3. समकालीन हिंदी कविता, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोक भारती प्रकाशन
4. आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य का विकास व विश्लेषण, विजय मोहन सिंह, ज्ञानपीठ प्रकाशन
5. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का रचना संचयन, कृष्ण दत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन
6. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ, डॉ नामवर सिंह, लोक भारती प्रकाशन
7. कमलेश्वर रचना संचयन, संपादक गंगा प्रसाद विमल, किताब घर प्रकाशन

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya, Khanpur Kalan

Syllabus of Hindi For 4-Year Undergraduate Programme (MULTIDISCIPLINARY) W.E.F. 2024-25

Semester- IV

Nomenclature of the Course	समकालीन हिंदी कविता
Course Code	BHIN-MIC-402
Level of the Course	100-199
Credits	Theory - 3 Tutorial - 1 =4
Contact Hours	3 +1=4
Total Marks:	100
Internal Issesment:30Marks	Class Participation 05 Seminar/Presentation/Assignment/Quiz/Class Test etc. 10 Mid Term Exam: 15
Term-End Examination. (External):	70

पाठ्यक्रम परिणामः

CO1. हिंदी साहित्य में समकालीन कविता के विकास का ज्ञान होगा।

CO2. समकालीन हिंदी कविता के प्रमुख कवियों का ज्ञान होगा।

CO3. हिंदी साहित्य के इतिहास का ज्ञान होगा

इकाई –1 समकालीन काव्य (सप्रसंग व्याख्या)

- नागार्जुन – बादल को घिरते देखा है, प्रेत का बयान,
- सिंदूर तिलकित भाल, अकाल और उसके बाद
- रघुवीर सहाय – लोकतंत्र का संकट, चिट्ठियां, भाषा का युद्ध, धूप, रामदास
- लीलाधर जगूड़ी – वृक्ष हत्या, परिवार की खाड़ी में, स्वतंत्र जुवान, ईश्वर और आदमी की बातचीत, जो ठोकर खाते हैं
- कुंवर नारायण – चक्रव्यूह, एक जले हुए मकान के सामने, जब आदमी आदमी नहीं रह पाता
- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना – चुप रहो, एक सूनी नाव, काठ की घंटियाँ, तुम, व्यंग्य मत बोलो
- पाठ्यक्रम से संबंधित कविताओं में से कवियों के भाव पक्ष व कला पक्ष से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न– उत्तर

इकाई 2 प्रमुख समकालीन हिंदी कवियों का जीवन व साहित्यिक परिचय
मुक्तिबोध, त्रिलोचन, धूमिल, केदारनाथ अग्रवाल, मंगलेश डबराल

इकाई 3 हिंदी साहित्य का इतिहासः भक्ति काल

- भक्ति काल की पृष्ठभूमि व परिस्थितियाँ
- संत काव्य की प्रवृत्तियाँ
- सूफी काव्य की प्रवृत्तियाँ
- राम काव्य की प्रवृत्तियाँ
- कृष्ण काव्य की प्रवृत्तियाँ
- भक्ति काल : स्वर्ण युग

Ravi Dahiya 19/5/25 Seema 19/05/25 Rajbala 19.5.25 Parveen Devi 19/05/25 19/05/25

इकाई 4

- प्रयोजनमूलक हिंदी: - अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

प्रयोजनमूलक हिंदी - महत्व, प्रकार (राजभाषा, कायर्यालयी हिंदी, वाणीज्यिक हिंदी व्यावसायिक हिंदी, वैज्ञानिक हिंदी, प्रौद्योगिकी हिंदी, प्रशासनिक हिंदी, कामकाजी हिंदी)

- संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण, आलेखन

दिशा निर्देश:

1. प्रश्न पत्र के लिए कुल 70 अंक हैं । प्रश्न पत्र हल करने का समय 3 घंटे होगा।
2. प्रथम प्रश्न संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित होगा। जिसमें 5 लघु उत्तर वाले विकल्प रहित प्रश्न पूछे जाएंगे और प्रत्येक प्रश्न दो अंको का होगा। यह प्रश्न अनिवार्य होगा ।5x2=10
3. निर्धारित कविताओं में से चार व्याख्या पूछी जाएंगी ।जिनमें से दो व्याख्या करनी होंगी । दोनों व्याख्या 7+7 अंक की होंगी।7x2=14
4. इकाई 2 में निर्धारित कवियों एवं कविताओं संबंधी चार कला पक्ष व भाव पक्ष संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। जिसमें से दो प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का होगा इस प्रकार कुल 16 अंक के प्रश्न पूछे जाएंगे। 8x2=16
5. इकाई 3 से समकालीन हिंदी कवियों के जीवन व साहित्य से संबंधित दो प्रश्न पूछे जाएंगे ।जिनमें से एक करना अनिवार्य होगा जो 4 अंक का होगा । 4x1=4
6. इकाई 4 हिंदी साहित्य का इतिहास-- भक्ति काल से संबंधित चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से दो प्रश्न करने होंगे।प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का होगा।इस प्रकार कुल 16 अंक के प्रश्न होंगे। 8x2=16
7. इकाई 4 में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से 2 के उत्तर देने होगे । 5x2=10

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास ,संपादक डॉ नागेंद्र व डॉ हरदयाल,मयूर पेपर बैक्स प्रकाशन
2. हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल प्रभात प्रकाशन
3. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां,डॉ नामवर सिंह ,लोक भारती प्रकाशन
4. त्रिलोचन, रेवती रमण, साहित्य अकादमी प्रकाशन
5. नए साहित्य का सौंदर्य शास्त्र, मुक्तिबोध, वाणी प्रकाशन
6. कविता के नए प्रतिमान, नामवर सिंह, वाणी प्रकाशन

19/5/25

Seema
19/05/2025

Ravi Dahiya

Raku
19.5.25

Pinki Rani
19/05/2025

Parveen Devi
19/05/25

19/5/25

BhagatPhoolSinghMahilaVishwavidyalaya, KhanpurKalan
List of Courses of Hindi For 4-Year Undergraduate Programme W.E.F. 2024-25
Semester-4

Nomenclature of the Course	हिन्दी साहित्य और संस्कृति
Course Code:	B-VAC-404
Level of the Course	100-199
Credits 02	Theo-2 Tutorial -00 =2
Contact Hours per week	02+00 = 02
Total Marks	50
Internal Assessment Theory: 15 Marks	Class Participation 05, Mid Term Exam : 05 Seminar/Presentation/Assignment/Quiz/ClassTestetc.05
Term-End Examination External (Theory)-	35 Marks

अपेक्षित पाठ्यक्रम परिणाम

Co1. साहित्य की विस्तृत जानकारी
Co2. संस्कृति की विस्तृत जानकारी
Co3. साहित्य प्रयोजन की जानकारी
Co4. साहित्य और संस्कृति का सह–सम्बन्ध ज्ञान

खण्ड (एक)

साहित्य की अवधारणा एंव स्वरूप
संस्कृति की अवधारणा एंव स्वरूप
साहित्य और संस्कृति का अंत–सम्बन्ध

खण्ड (दो)

साहित्य का प्रयोजन
आधुनिकता और हिन्दी साहित्य

सन्दर्भ पुस्तकें

1. साहित्य और संस्कृति – डॉ0 रामविलास शर्मा, किताब महल इलाहबाद।
2. भारतीय साहित्य और संस्कृति – राजबली पाण्डेय, प्रकाशन मुंशीलाल मनोहरलाल, नई दिल्ली।
3. साहित्य और संस्कृति–मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. भाषा, साहित्य और संस्कृति–सम्पादक विमलेश कान्ति वर्मा, ओरिएण्ट ब्लैकस्वान, नई दिल्ली।
5. साहित्य का संस्कृति अध्ययन–सुशील बाला, किताब घर, इलाहबाद।
6. संस्कृति के चार अध्याय रामधारी सिंह दिनकर ।

प्रश्न–पत्र निर्माण के लिए निर्देश :–

1 समस्त पाठ्यक्रम में से 07 लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएगें। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। (7x1=7अंक)

2 निर्धारित पाठ्यक्रम में दो खंड है। प्रत्येक खंड में से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक है।(2x14=28अंक)

Bhagat Phool Singh Mahila Vashwavidyalaya, Khanpur Kalan
Syllabus of Hindi For 4-Year Undergraduate Programme
(MULTIDISCIPLINARY) W.E.F. 2024-25
Semester-5

Nomenclature of Course	समकालीन हिंदी कविता
Course Code:	B-HIN-DSC-501
Level of the Course	100-199
Credits 04	Theory-3 Tutorial-1 =4
Contanct Hours Per Week	3+1=4
Suggested Evaluation Method	
Internal Assessment: 30 Marks	Class Participation 05 Seminar/Presentation/Assignment/Quiz/Class Test etc-10 mld Term Exam: 15
Term- End Examination (External): 70 Marks	70 Marks

पाठयक्रम परिणाम

CO (1) समकालीन कविता की व्याख्या व आलोचनात्मक समझ होगी।
CO (2) समकालीन अन्य कवियों का साहित्यिक परिचय होगा।
CO (3) साहित्य इतिहास का ज्ञान होगा।
CO (4) प्रयोजनमूलक हिंदी का ज्ञान होगा।

इकाई 1 समकालीन कवि:-

1. **सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय ':-** नदी के द्वीप, कितनी नावों मे कितनी बार, यह द्वीप अकेला, सूनी सी साँझ एक, साँप
2. **नागार्जुन:-** उनको प्रणाम, सिंदूर तिलकित भाल, बादल को घिरते देखा है , अकाल और उसके बाद, प्रेत का बयान
3. **भारत भूषण अग्रवाल:-** आने वालो से एक सवाल , दूँगा मै, फूल के बोल, फूल नहीं रंग बोलते है
4. **लीलाधर जगूड़ी:-** वृक्ष हत्या, परिवार की खाड़ी में, बहुत से पत्थर पड़े है,जो ठोकर खाते है, ईश्वर और आदमी की बातचीत
5. **डॉ धर्मवीर भारती:-** रथ का टूटा पहिया, फागुन की शाम, गुलाम बनाने वाले, बोआई का गीत, थके हुए कलाकार से
6. **त्रिलोचन:-** गुलाब और बुलबुल, जनपद के कवि , ताप के ताये हुए दिन, शब्द

इकाई 2.

अन्य समकालीन हिंदी कवियों का साहित्यिक परिचय:-
मुक्तिबोध , रघुवीर सहाय , कुंवर नारायण, शमसेर बहादुर सिंह , केदारनाथ अग्रवाल

19/05/25 19/5/25 19/5/25 19/05/025 19.5.25 19/05/2025

इकाई 3.

हिंदी साहित्य की गद्य विधाएँ:-

हिंदी कहानी : उद्भव और विकास

हिंदी उपन्यास : **उद्भव** और विकास

हिंदी नाटक :**उद्भव** और विकास

हिंदी निबंध : **उद्भव** और विकास

इकाई 4 प्रयोजनमूलक हिंदी : स्वरूप एवं व्याख्या, प्रयोजनमूलक हिंदी बनाम, व्यावहारिक हिंदी प्रारूपण, टिप्पणी, संक्षेपण, पल्लवन

सहायक ग्रन्थ सूची:-

1. नागार्जुन रचना संचयन, सम्पादक राजेश जोशी, प्रकाशक साहित्य अकादमी प्रकाशन वर्ष -2021
2. भारत भूषण अग्रवाल, प्रतिनिधि कविताएं, राजकमल प्रकाशन, पहला संस्करण जनवरी 2004
3. प्रशनब्यूह मे प्रज्ञा : लीलाधर जगूड़ी , वाणी प्रकाशन ,संस्करण 2009
4. धर्मवीर भारती ग्रंथावली , संपादक , चन्द्रकांत बांदिवडेकर , वाणी प्रकाशन, संस्करण 2009
5. हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल
6. हिंदी साहित्य - हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. हिंदी साहित्य का इतिहास - संपादक: डॉ नगेंद्र, सह संपादक: डॉ हरदयाल प्रकाश, मयूर पेपर बैक्स इंदिरापुरम 201014, तीसरा संस्करण, 1 जनवरी 2009.
8. त्रिलोचन, रेवतीरमन, साहित्य अकादमी प्रकाशन
9. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रामकुमार वर्मा
10. प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं अनुवाद , पूरनचन्द टण्डन
11. आजीविका साधक हिन्दी, पूरनचन्द टण्डन

आवश्यक निर्देश:-

- इकाई 1 में से चार पद्यांश दिए जाएंगे, जिनमें से दो की सप्रसंग व्याख्या लिखनी होगी। कुल अंक चौदह होंगे। (7x2=14अंक)
- इकाई 1 में से चार प्रश्न दिए जाएंगे, जिसमें से विद्यार्थी को दो प्रश्न लिखने है। कुल अंक दस होगे। (7x2=14अंक)
- इकाई 2 में से कवियों से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्नों में दो प्रश्न दिए जाएंगे। जिसमें से विद्यार्थी को एक का उत्तर देना होगा। कुल अंक पांच होंगे। (4x1=4अंक)
- इकाई 3 में से चार प्रश्न दिए जाएंगे जिसमें से विद्यार्थी को दो लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न आठ अंक का होगा। कुल अंक सोलह होंगे। (8x2=16अंक)
- इकाई 4 में से चार प्रश्न दिए जाएंगे जिसमें से दो का उत्तर देना होगा। कुल पंद्रह अंक होंगे। (6x2=12अंक)
- समस्त पाठ्यक्रम में से दस लघु प्रश्न पूछे जायेंगे सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य होंगे। (1x10=10अक)

19/5/25 Ravi Ashir 19/5/25 Seema 19/05/025 Rakh 19.5.25 Pinki Rani 19/05/2025 Parveen 19/05/25

BHAGAT PHOOL MAHILA VISHWAVIDYALAYA, KHANPUR KALAN

Syllabus of Hindi For 4-Year Undergraduate Programme (MULTIDISCIPLINARY) W.E.F. 2024-25

Nomenclature of the Course	सृजनात्मक लेखन
COURSE CODE	-B. HIN-MIC 502
Credits	Theory- 3 Tutorial-1=4
Contact Hours	3+1=4
Total marks	100
Internal	Class participation 05
Assessment 30 marks	Seminar/presentations/Assignments/quiz/class test etc. 10
	Mid Term Exam
Term – end Examination External	Marks 70

पाठ्यक्रम परिणाम

CO (1) सृजनात्मकता की अवधारणा और सिद्धांतों की जानकारी होगी।

CO (2) सृजनात्मक लेखन के बारे में जानकारी होगी।

CO (3) रीतिकालीन साहित्य के बारे में जानकारी होगी।

CO (4) रीतिकाल के अन्य कवियों के बारे में जानकारी होगी।

इकाई 1

सृजनात्मकता अवधारणा व सिद्धांत, सृजनात्मकता अभिप्राय एवं उसके विविध स्वरूपः-

फीचर लेखन, टीवी एवं रेडियो समाचार, डायरी लेखन, ब्लॉग लेखन, मंच लेखन, संवाद लेखन, यात्रा लेखन।

इकाई 2

रीतिकाल कविता (निर्धारित पाठय पुस्तक, काव्य कुंज, सम्पा रामसजन पाण्डेय)

1. बिहारी (1-51 दोहे)
2. घनानंद (1-25 पद)

इकाई 3

हिंदी साहित्य का रीतिकालः-

रीतिकाल की परिस्थितियों।

रीतिकाल का नामकरण ।

रीतिबद्ध काव्य की विशेषताएं।

रीतिमुक्त काव्य की विशेषताएं।

रीतिसिद्ध काव्य की विशेषताएं।

रीतिकाल की उपलब्धियाँ ।

इकाई 4

रीतिकाल के अन्य कवियों का साहित्यिक परिचयः बोधा, पद्माकर, आलम, रसखान, केशवदास।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. लेखक कैसे बने, रस्किन बॉन्ड

2. Creative writing, हेनरी हार्विन

3. Melion E pege brain jamaxson-Shorts Guide to Writing about History.

आवश्यक निर्देश

1. इकाई 1 में से चार प्रश्नो में से किन्ही दो प्रश्नो के उतर देने होंगे। (8x2=16अंक)
2. समस्त पाठ्यक्रम में से 10 लघु उतर प्रश्न पूछे जाएंगे। (1x10=10अंक)
3. इकाई 2 में से चार व्याख्या पूछी जाएंगी जिनमे से दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । (6x2=12अंक)
4. इकाई 3 में से चार प्रश्नो में से 2 प्रश्नो के उतर देने होंगे। (8x2=16अंक)
5. इकाई 4 में से किन्ही दो प्रश्नो में से एक का उतर देना होगा। (6x1=6अंक)
6. इकाई 2 में से किन्ही दो प्रश्नो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उतर देना होगा । (1x10=10अंक)

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya ,Khanpur Kalan

Syllabus of Hindi For 4-Year Undergraduate Programme (MULTIDISCIPLINARY) W.E.F. 2024-25

Semester-6

Nomenclature of the Course	लोक–साहित्य
Course Code-	B-HIN-DSC-601
Level of Course	100-199
Credits 04	Theory-3 Tutorial-1=4
Contact Hours Per Week	3+1=4
Internal Assessment: 30 Marks	Class Participation 05 Seminar /presentation /Assignment /Quiz /Class Test etc. Min Term Exam:15
Term-End Examination (External): 70 Marks	70

पाठयक्रम परिणाम–

CO 1.हरियाणवी जनपदीय भाषा और साहित्य की जानकारी होगी।
CO 2.हरियाणवी लोकधारा और कवियों की जानकारी होगी।
CO 3.प्रयोजनमूलक हिन्दी की जानकारी होगी।
CO 4.प्रयोजनमूलक हिन्दी में रोजगार की संभावनाओं का ज्ञान होगा।

इकाई–1 हरियाणवी लोकधारा (निर्धारित पुस्तक संपादक डॉ मीरा गौतम कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन, कुरुक्षेत्र)

1.नितानंद

चेतावणी का अंगः–

जीव मुसाफिर आइया..........फजर राह लग जहिं।।
नितांनद इस जगत् को.........बिखरी सुरत बहोड़।।
नितानंद बूढ़े हुए...............चून–चून लिय छान।।
करता कंचन त्याग कर........ज्यों कालर का खेत।।
मनषा देही पायकर ....खीर कहां से खायं।।
निशि दिन खेती ऊजड़े ....कहा लुणैगा रेत।।
काया खेत किसान की ....बिना ज्ञान की बार
चादर महंगे मोल की......... धोय सकै तो धोय

मन का अंगः–

पैड भराऊं भक्ति में ....बैरी बंस्या पडोस।।
नितांनद मन मारिये.......... विष की बाड़ी बोय।।
यह मन उजाड़............तो भुनूँ देह समेत।।
मन के कहे न चलिये.........फेर न पावै ठौड।।
मन डर निर्भय हुआ ....यह मन नाग भुजंग।।

माया का अंगः–

माया से काया भई ....जन्म मरण का रोग।।
ठाँव ठाँव ठगती फिरै.............लिए मुगद नर नार।।
माया तरवर सिमिर का............अंध भोगन हार।।
नितानंद हर छांड कर...........ज्यों करंक को स्वान।।

कुसंग का अंगः–

कांजी की इक बूद से.............ताका जन्म विहाय।।
ओछी संग न कीजिये..........जन्म अकारथ जाय।।

ब्रहमस्त्रोतः–

निज स्वरूप निज अटल है.............ह्वै–ह्वै मिट–मिट जांहि।।
रूम–रूम मुख कोड़कर ....कदे न आवै ओड़।।

सबदः–

सोई जन मस्ताना मस्ताना...............हर हीरों की खान।।
गम से दूर आगम से आगे..........अब निश्चय कर जाना।।

2.बाजे भगत

कृष्ण जन्म :–

महाभारत के अंत में हुए ....भेद बतला दो सारा।।
श्री शुकदेव मुनी लगे राजा ....मारीस्सा राणी ब्याही थी।।
उस राणी ने दस लडके.........जगह–जगह तै हौकै तैयार।।
घर आई लक्ष्मी ना फेरूं राजा ....जन्मैगा तेरा काल।।
इतनी सुणकै कंस........सत्यवादी राजा और नहीं।।
बसंत ऋतु सब फूल.............तैर रही थी मुरगाई।
ठण्डी–ठण्डी हवा.................हुआ घेर कै राही।
शूरवीर दातार क्षत्री ....सैन नृप न्यायकारी।
करै था धर्म का राजा............हरदेव कथैं वेदाचारी।

3.लखमीचंदः–

सांग चीर पर्व का अंश–री मेरी ....लखमीचंद चित ला।।
नल दमयन्ती का अंश– इस ....फेर उजल्या डेरा।।
पूर्णमल का अंश–आवागमन – बिना लडाई रण मरग्या।।
सत्यवान सावित्री का अंश :–ईश्वर का कर ध्यान लखैगी ..कहं गण–ज्ञान की बात में।
मीरा बाईका अंशः– थारे ....बीय के मां चंद।।

4.फौजी मेहर सिंह–

देख रोगंटे खडें होगे..........फेर भी उठै तडकै।
सामण भादवा और ....पाणी म्हं ब्डकै
मंगसर पोह म्हं बर्फ...........म्हं पड़ै अकड़ कै।
राज काज सब ....तेरी आखियां फडकैं।
राजा रईयत लखपति.............रूई के सै पहल लागरे।
घर घर वेद उच्चारण ....मरण छैल लागरे।
आवै साढ फेर ....तम बेचण बैल लागरे।।

Praveen Devi 19/05/28
Seema 19/05/025
19/5/25
19/5/25
Ravi
Rakh 19.5.25
Pinki Rani 19/05/2025

सत के बैल प्रेम ....काटण मैल लागरे।
एक मील रोटी ....प्या लिए हाली।।
गर्मी पडती लू चालै.'..........गा लिए हाली।।
मन बिन मेल......दुखिया बिन पुकार नहीं।।
मोह बिन काम.............. दहिया का सत्कार नहीं।।
एक ध्रुव भगत ....सबके भगत निराला।।

5.भारत भूषण साधींवाल– रागनी

इस दुनिया मैं.......भरपूर बणाना चाहिए।
ऊधमसिंह दस्तूर जगत.........कवि का गाणा चाहिए।।
रागनी–कहण ऊधमसिंह .....सुण बात।।
अंग्रजो के वारंटा नै...........सुण बात।
कदे जेल अर.........सुण बात।
भगत माता के वीरां नै............सुण बात।
रागणी –खत ऊधमसिंह का
अमरीका तैं चिट्ठ लिखता ....सब तै ऊंचा दर्जा सै भारत की नारी का।।

हरियाणा के किसान – शव के समान ....किसन प्यारे सै।
हरियाणा की नार– चांदा सा मुंह गोल...........नार हरियाणे की।
घर का एक्का– जिस घर में एक्का ....ना घर मै रासा।
निर्धारित पाठयक्रम से संबंधित कवियों व कविताओं के भावपक्ष व कलापक्ष संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई–2 गद्य भाग

निर्धारित रचनाकारों का साहित्यक परिचय–
संत निश्चल दास,केवल हरियाावी,रामफल चहल रघुवीर सिंह मथाणा,संतराम देशवाल

इकाई–3 हरियाणवी भाषा और साहित्य का इतिहास।

1.हरियाणवी भाषा की उद्भव और विकास।
2.हरियाणवी भाषा की प्रमुख बोलिया।
3.हरियाणवी की सांग परम्पराः उद्भव एंव विकास।
4.हरियााणवी भाषा का आधुनिक साहित्य उपन्यास,कहानी, नाटक।

इकाई–4

अनुवादः–अनुवाद का अर्थ,परिभाषा और स्वरूप,कार्यालयी अनुवाद के प्रकार ,अनुवादक के गुण , अनुवाद के क्षेत्र में रोजगाार की संभावनाए।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1.बाजे भगत ग्रन्थवली डॉ. रामफल चहल, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी ,पंचकूला ,हरियाणा।
2.पण्डित लखमीचंद ग्रन्थावली,संपादक डॉ. पूर्ण चन्द शर्मा, हरियाणा ग्रंथ अकादमी पंचकूला हरियाणा।
3.डॉ. पूरणचंद शर्मा ,हरियाणा की लोक धर्मी नाट्य परंपरा,हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला।
4.डॉ. राममेहर सिंह,हरियाणा का लोक नाट्य : सांग उद्भव और विकास ,मनुराज प्रकाशन ,गुरूग्राम।
5.डॉ विजेन्द्र सिंह,हरियाणा के सागों में सौंदर्य निरूपण,हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला।
6.हरियाणा लोकधारा–संपादक डॉ. मीरा गौतम, प्रोफेसर ,हिन्दी–विभाग कुरुक्षेत्र,विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र।
7.डॉ. सुरेश सिंघलः अनुवाद सिद्धांत एंव व्यवहार ,अभिनव प्रकाशन दिल्ली 6
8.डॉ. पूरनचंद टंडन प्रयोजन मूलक हिन्दी और अनुवाद ,किताब घर, दिल्ली
9.डॉ. रणजीत सिंहः संत निश्छल दास ग्रन्थावली ,हरियाणा साहित्य अकादमी,पंचकूला।

Praveen 19/05/25
Seema 19/05/2025
19/5/25
19/5/25
Rakh 19.5.25
Pinka Rani 19/05/2025

10. हरियाणवी लोकधारा, सम्पा डॉ मीरा गौतम, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन, कुरुक्षेत्र
11. अनुवाद विमर्श :डा पूरनचन्द टण्डन

निर्देशः–

1 **इकाई–1** हरियाणा जनपदीय भाषा और साहित्य पर आधारित पुस्तक से लिए चार अवतरण पूछे जाएगे परीक्षार्थीयो को इनमें से दो की सप्रसंग व्याखया करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या सात अंक की होगी (7x2=14अंक)

2 **इकाई–2** निर्धारित कवियों पर आधारित दीर्घ आलोचनात्मक चार `प्रश्न पूछें जाएँगे। इनमें से दो प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रश्न 14 अंक का होगा। (2x11=22अंक)

3 **इकाई–3** निर्धारित कवियों में से किन्ही दो कवियों का साहित्यिक परिचय पूछा जाएगा। परीक्षार्थीयो को इनमें से किसी एक का परिचय देना होगा। (10x1=10अंक)

4 **इकाई–4** अनुवाद से तीन प्रश्न पूछें जाएगें। इनमें से दो प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रश्न14 अंक का होगा। (7x2=14अंक)

5 समस्त पाठ्क्रम में से सभी लघु प्रश्नो के उत्तर अनिवार्य होगे। इसमें दस प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का` होगे। (10x1=10अंक)

19/5/25
Seema 19/05/025
Ravi Dahiya
19.5.25
19/05/2025
19/5/25
19/05/25

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya ,Khanpur Kalan

Syllabus of Hindi For 4-Year Undergraduate Programme (MULTIDISCIPLINARY) W.E.F. 2024-25

Semester-6

Nomenclature of the Course	हिन्दी पत्रकारिता
Course Code-	B-HIN-MIC-602
Level of Course	100-199
Credits	Theory-4 Tutorial-0=4
Contact Hours Per Week	3+1=4
Internal Assessment: 30 Marks	Class Participation 05 Seminar /presentation /Assignment /Quiz /Class Test etc. 10 Min Term Exam:15
Term-End Examination (External):	70

पाठयक्रम परिणाम–

CO1.हिन्दी पत्रकारिता का अर्थ ,परिभाषा का ज्ञान होगा।

CO 2.हिन्दी पत्रकारिता का उद्‌भव विकास की जानकारी होगी।

CO 3.समाचार लेखन में अभिरूचि पैदा होगी।

CO 4.प्रिंट मीडिया तथा इलेक्ट्रोनिक मीडिया की समझ होगी।

इकाई –1

हिन्दी पत्रकारिताः अर्थ, परिभाषा, स्वरूप।

पत्रकारिता :कार्य, सिद्धांत, प्रकार।

पत्रकारिता और पत्रकार की योग्यता और उत्तरदायित्व।

पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास।

इकाई–2

समाचारः अर्थ, परिभाषा तत्व

समाचार :समाचार के प्रकार ,समाचार लेखन , संकलन ,संपादन व संपादक के गुण , फीचर लेखन , साक्षात्कार

इकाई–3

हिन्दी पत्रकारिता एंव मीडिया

हिन्दी पत्रकारिता एंव मीडिया :अंतर्सबंध एंव स्वरूप

सोशल मीडिया के प्रभाव,

सोशल मीडिया की अवधारणा एंव स्वरूप

सोशल मीडिया के प्रकार

सोशल मीडिया का महत्त्व एंव उपयोगिता

सोशल मीडिया का समाज पर प्रभाव

इकाई-4 **तकनीकी शब्दावली:-** अभिप्राय; स्वरूप और सिद्धांत

1. **Anchor-** समाचार प्रस्तुतकर्ता, टेलीविजन या रेडियो पर समाचार प्रस्तुत करने वाला व्यक्ति.
2. **Angle-** दृष्टिकोण समाचार प्रस्तुतिकरण का रूझान

3. **Animation-** पहले ग्राफिक और चित्र द्वारा विभिन्न प्रभाव उत्पन्न किए जाते थे इनकी तुलना में आजकल कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के माध्यम से निर्मित चलित चित्र।
4. **Anniversary issue** -वार्षिकांक वर्ष में मात्र एक बार प्रकाशित होने वाली पत्रिका या लघु पुस्तिका।
5. **Announcer-** उद्घोषक/उद्घोषिका कार्यक्रम को प्रस्तुत करने वाला।
6. **Annual issues-** वार्षिक अंक वर्ष में एक बार प्रकाशित होने वाली पत्रिका लेख
7. **Article-** लेख, रचना लेखन की विधा
8. **Assignments** -आवंटन कार्य नगर संपादक या समाचार संपादक की ओर से किसी संवाददाता को समाचार- संग्रह का जो काम आंवटित किया जाता है, उसे एसाइनमेंट कहते हैं।
9. **Assignments Book** -आवंटित कार्य प्रस्तिकानगर संपादक या समाचार संपादक की मेज पर एक रजिस्टर या पुस्तिका रखी रहती है, जिसमें वह निर्देश लिखता है कि किस संवाददाता को कब और कहाँ जाकर समाचार लेना है। हिंदी में इसे आवंटन कार्य पुस्तिका कहते हैं।
10. **Back pack journalism** -बहुविज्ञ पत्रकारिता
11. **.Bill**-विज्ञापन पत्रकारिता शब्दावली में विज्ञापन को बिल भी कहते हैं।
12. **Beat Report**-विशिष्ट क्षेत्र समाचार किसी संवाददाता के विशिष्ट कार्यक्षेत्र से प्राप्त किया गया समाचार
13. **Bill posting** -विज्ञापन लगाना सार्वजनिक प्रदर्शन या जानकारी के लिये विज्ञापन
14. **Bimonthly-** द्विमासिक/दो महीने में एक बार छपने वाली पत्रिका
15. **Biopic**-जीवनी आधारित फिल्म किसी विशिष्ट व्यक्ति के जीवन पर आधारित फिल्म
16. **Camera crew**-कैमरा टीम किसी स्थल के दृश्यांकन के लिए तीन या चार कर्मियों की टीम जिसमें कैमरामैन, सहायक कैमरामेन, टेकनीशियन एवं प्रोड्यूसर आदि होते है
17. **campaign** -अभियान किसी समाचारपत्र द्वारा किसी सार्वजनिक हित के विषय को लेकर उसके पक्ष या विपक्ष में लगातार जोरदार प्रचार करना।
18. **Canned copy**-तैयार प्रचार सामग्री, किसी प्रचार संस्था अथवा समाचार एजेंसी से प्राप्त प्रचार सामग्री।
19. **Caption** - शीर्षक, चित्र परिचय चित्रों आदि के नीचे लिखी जाने वाली परिचय पंक्ति को कैप्शन कहते हैं।
20. **carry over-** शेषांश देखिए
21. **Daily** - दैनिक, वह समाचारपत्र जो प्रतिदिन प्रकाशित होता है
22. **Dateline-** दिनांक रेखा, समाचार के प्रारंभ में स्थान तथा दिनांक का उल्लेख।
23. **Decoding**-विसंकेतन, संकेतवचन इंटरनेट द्वारा सूचनाओं का संकेतीकरण करके मूल संदेश के कंप्यूटर द्वारा परिवर्तित करने की प्रक्रिया
24. **Defamation** -मानहानि समाचारों, आलेख, पुस्तकों, भाषण एवं प्रसारण आदि में दुर्भावना से दिया गया मौखिक या लिखित वक्तव्य। भारत में इसे दंड संहिता के अंतर्गत अपराध माना गया है।
25. **Desk editor/man** - उप-संपादक
26. **Edit point**-संपादन संकेत, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में संपादन कार्यों के लिए वांछित- अवांछित स्थान को एडिट पाइंट कहते हैं।
27. **Edit suite**-संपादन कक्ष, प्रसारण माध्यमों का संपादन कक्ष।
28. **Editing**-संपादन, किसी सामग्री को प्रसारण या प्रकाशन-योग्य बनाने की कला।
29. **Editions-** संस्करण समाचारपत्र की जितनी प्रतियाँ एक बार में छपती हैं, उनके कुल जोड़ को समाचार पत्र का एक संस्करण कहा जाता है

Ravi Dahiya
Seema 19/05/025
19/5/25
19/5/25
Rakh 19.5.25
Pinki Rani
19/05/25

30. Editorial calendar- संपादकीय बैठक समाचारपत्र के संपादकीय कार्यों पर होने वाली बैठक, जिसमें प्रकाशित सामग्री का आकलन किया जाता है और अगामी संस्करण की रूपरेखा बनाती है।
31. F.M Radio -एफ एम रडियो (फ्रीक्वेंसी माड्डुलेसन रेडियो) एफ. एम. रेडियो 88 से 108 मेगाहर्टज पर प्रसारण करता है। यह अपनी ध्वनि गुणवत्ता के कारण लोकप्रिय हो रहा है
32. Fact file -तथ्य (संग्रह) फाइल पत्र/पत्रिकाओं द्वारा वर्षभर की घटनाओं को सिलसिलेवार ढंग से वर्ष के अंत में प्रकाशित किया जाता हैं।
33. fault Report -त्रुटि-संबंधी प्रतिवेदन, इलेक्ट्रोनिक माध्यमों में प्रसारण सभाओं के प्रतिवेदनों में होने वाले व्यवधानों का विवरण दिया जाता है।
34. Feature matter-फीचर सामग्री फीचर निर्माण की प्रक्रिया में विषय की पृष्ठभूमि तथा दृश्य-श्रव्य सामग्री के आधार पर फीचर के लिए संकलित सामग्री।
35. Feedback-प्रतिपुष्टि श्रोता, दर्शक एवं पाठक द्वारा विभिन्न माध्यमों की सामग्री के संबंध में दी गई प्रतिक्रिया।
36. Galley press -गैली प्रेस, वह मशीन जिस पर गैली में रखी हुई संयोजित सामग्री का प्रूफ उठाया जाता है
37. General magazine -सामान्य पत्रिका, वह पत्रिका जिसमें सामान्य रूचि की पाठ्य सामग्री का प्रकाशन होता है।
38. Glancer- एकन 'ऐट ए ग्लैंस' का बिगड़ा रूप। इसके अंतर्गत किसी समाचार की मुख्य बात संक्षेप में लिखी होती हैं। जैसे, चुनाव के दिनों में भिन्न-भिन्न प्रदेशों के मुख्य परिणाम संक्षेप में एक पेटी समाचार के रूप में दे दिये जाते हैं
39. Green print -प्रथम मुद्रित प्रति
40. Hard copy -मूल प्रतिमूल रूप में कागज पर लिखित या मुद्रित प्रति। कंप्यूटर स्क्रीन पर पढ़ी जाने वाली सामग्री को साफ्ट कॉपी कहते हैं।
41. Head Line-शीर्ष समाचार ऐसा समाचार जो शीर्ष के रूप में प्रकाशित हो।
42. House journal-गृह पत्रिका किसी संस्था या संगठन की अपनी पत्रिका।
43. I.T.U-अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (international telecommunication union) फ्रीक्वेंसी बैंड आवंटन के लिए बनाई गई संस्था
44. Interviews -साक्षात्कार, भेंटवार्ता जानकारी प्राप्त करने अथवा अभिमत जानने के लिए किसी व्यक्ति से किसी विषय विशेष पर बातचीत करना
45. Intra personal communication-अंतर-व्यक्तिगत संचार/अंतरवैयक्तिक संचार स्वगत संचार या आत्मगत संचार।
46. Intro-मुखड़ा, आमुख 'इंट्रोडक्शन' का संक्षिप्त रूप। समाचार का प्रारंभिक अनुच्छेद, जिसमें समाचार का सार या उसका सबसे महत्वपूर्ण अंश दिया जाता है।
47. Investigative journalism-खोजी पत्रकारिता
48. keyhole journalism -पर्दाफाश पत्रकारिता गोपनीय, सनसनीखेज तथा पर्दाफाश करने वाली पत्रकारिता
49. literary Journalism -साहित्यिक पत्रकारिता साहित्यिक लेखन एवं प्रकाशन से संबंधित सामग्री को विषय-वस्तु बनाने वाली पत्रकारिता।
50. Literary plagiarism -साहित्यिक चोरी, दूसरों की रचनाओं को अपने नाम से प्रकाशित करना

संदर्भ ग्रंथ सूची–

- हिन्दी पत्रकारिता विकास और विविध आयाम ,डॉ. सुशीला जोशी ,राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी ,जयपुर
- पत्रकारिता की कालजयी परंपरा ,कमलेश्वर ,बी.बी.सी हिन्दी।
- हिन्दी पत्रकारिता का विकास ,एन सी पंत ,राधा पब्लिकेशन ,नई दिल्ली।
- हिन्दी पत्रकारिता का बृहद इतिहास ,अर्जुन तिवारी ,वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।
- समाचार लेखन और संपादन ,एनसी पंत ,कनिदक पब्लिशर्स डिस्डिब्यूटर्स दिल्ली।
- संपादक कला, के पी नारायण ,मध्यप्रदेश अकादमी ,भोपाल।
- फीचर लेखन ,पी के आर्य ,विद्या बिहार ,नई दिल्ली ।
- लेखन संपादक और मुद्रण ,ओमगुप्ता, कनिदक पब्लिशर्स डिस्ट्रिब्यूटर्स दिल्ली।
- डॉ.हरीश अरोडा ,प्रिंट मीडिया के.के पब्लिकेशनस दिल्ली ।
- सुमित मोहन ,मीडिया लेखन ,वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली।
- प्रो.रामलखन मीणा ,प्रयोजन मूलक मीडिया विमर्शः सिद्धात और अनुप्रयोग, के पब्लिकेशनस दिल्ली।
- फीचर लेखनए डॉ पूरनचन्द टण्डन ।

आवश्यक निर्देशः–

1.इकाई 1 में से दो प्रश्न दिए जाएगें जिसमें से विद्यार्थी को एक उत्तर लिखना होगा। कुल अंक–15x1=15
2.इकाई 2 मे से दो प्रश्न दिए जाएंगे जिसमें से एक का उत्तर देना होगा। कुल अंक–15x1=15
3.इकाई 3 में से दो प्रश्न दिए जाएंगे जिसमें से एक का उत्तर देना होगा। कुल अंक–15x1=15
4.इकाई 4 में से 20 तकनीकी शब्द पूछे जाएंगे, जिसमें से 15 शब्दों के हिंदी अर्थ बताने होंगे । कुल अंक–15x1=15
5.समस्त पाठ्यक्रम में से सभी लघु प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य होगें। इसमें दस प्रश्न दिए जाएगें। कुल अंक–10के होगें। 10x1=10